केशवसृष्टि समाचार

Postal Registration No. THW/06/2017-2019 Posted at Partika Channel Sorting Office, Mumbai GPO 400001. Published on 5th of every month & Posting on 7th and 8th of every month. RNI no. 72232/99

वर्ष १९ । अंक ६ । भायंदर । जून २०१९ । विक्रम संवत २०७५ । पृष्ठ २० । मूल्य रु. १०/- वार्षिक रु.१००/-

केशव सृष्टि में चल रही परियोजना
एक दिन का किसान be a farmar के अंतर्गत
२५ मई २०१८ को मोतीलाल ओसवाल ग्रूप मुम्बई की
मैनेजर अमिता चौरसिया के नेतृत्व में
५५ सहभागी केशव सृष्टि पधारे तथा
एक दिन का किसान बनने का आनंद उठाया।

Celebration of Annual Alumni Day of RRVM on 13th April 2019.

Master Saurabh Bera from XII Science qualified the JEE Mains examinations 2019 and he will appear for JEE Advance.

पर्यावरण महिला पतंजलि योग समिति का केशव सृष्टिभ्रमण

केशव सृष्टि में वर्षभर कई सामाजिक संस्थाओं के भ्रमण का दौर जारी रहता है. इस क्रम में एकता पारीख की नेतृत्व वाली महिला पतंजलि योग समिति, भायंदर पूर्व की ३० योग साधक बहनों ने २४ मई को केशव सृष्टि में भेट दी

लोकतंत्र का महापर्व सम्पन्न हुआ। 'सबका साथ सबका विकास, सब का विश्वास।' हाँ, सब का विश्वास जीत गया। गत पाँच वर्षों में प्रधानमंत्री के कुछ निर्णयों यथा नोटबंदी, जीएसटी आदि के कारण जनता ने कितने ही कष्ट सहे, महंगाई की भी मार सही, परन्तु लोगों को विश्वास था प्रधानमंत्री पर, उनके निर्णयों पर, उनके राष्ट्रवाद पर। 'नेता पर विश्वास अटल हो, नेता पर विश्वास। आज अगर बीचे भी दुखमय, निश्चय अपना सुखमय कल हो।' जाति, भाषा, प्रान्त, सम्प्रदाय, अगरा पिछड़ा, सभी सीमाएं तोड़कर, केवल विश्वास रखकर, तपती धूप में खड़े होकर लोगों ने वोट डालकर भाजपा और राजग (राष्ट्रीय गणतंत्र गठबंधन) को प्रचंड बहुमत से केन्द्र का सिंहासन सौंपा है। सारे विरोधी चारों खाने चित हो गये। कितने ही नेताओं के प्रधानमंत्री बनने के स्वप्न चूर चूर हो गये। महागठबंधन, टुकड़े-टुकड़े गैंग और उनके समर्थक टुकड़े-टुकड़े होकर कोई यहाँ गिरा तो कोई वहाँ गिरा। भाजपा और राजग की इस महाविजय में शीर्ष पर चाहे नरेन्द्र मोदी और अमित शाह रहे हों, परन्तु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हज़ारों लाखों कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों के परिश्रम को नज़र अंदाज़ नहीं किया जा सकता । बहुत कुछ श्रेय उनके परिश्रम को जाता है। शपथविधि सम्पन्न हुई और केन्द्र सरकार काम पर लग गयी। खाते बँट गये और मंत्री लग गये काम पर। लोगों को आशा बँधी है। राम मंदिर, धारा 370, 35अ, एक देश, एक कानून जैसे प्रश्न हल होंगे, ऐसा विश्वास है।

जून का महीना है। ऐसी ही कुछ आशा लोगों को ईश्वर से है। भरोसा है भगवान पर कि इतनी तपती धूप से छुटकारा दिलाएंगे। लोगों ने भाजपा पर वोटों की वर्षा की अब आशा है इन्द्रदेव से कि वे जल की वर्षा करेंगे। मौसम विभाग ने भविष्य वाणी की है कि इस वर्ष धीमी परन्तु अच्छी वर्षा होगी। पानी के प्रश्न छूटेंगे, धन धान्य से भण्डार भरेंगे और किसानों के जीवनस्तर में सुधार होगा। तथास्तु ।।

गत मास वैशाख की पूर्णिमा का जैसा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्त्व था वैसे ही इस मास ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोदशी का राष्ट्रीय महत्त्व है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुग़लों और अन्य मुसलमान शासकों की चुनौतियाँ स्वीकार कर, उन्हें परास्त कर शताब्दियों बाद पुनः भारत में हिन्दु साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी महाराज के बारे में एक कवि ने कहा था, 'यदि शिवाजी न होते तो सुन्नत होती सब की।' ऐसे राष्ट्रीय पर्व के साथ इस मास भारत माता के सुपुत्रों महाराणा प्रताप और गुरु हरगोविंद सिंह की जयंतिया तो झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और गुरु अर्जुन देवजी का शहीदी दिवस भी है। वैसे ही प्रथम तीन सरसंघचालकों, डाक्टर हेडगेवारजी, श्री गुरुजी गोलवलकर और बालासाहेब देवरसजी की पुण्यतिथियाँ भी इसी मास हैं। इन सभी महापुरुषों की स्मृति को सादर वन्दन! मुस्लिम बंधुओं का महापर्व रमज़ान ईद भी इसी मास है। उन सभी बन्धुओं को ईद मुबारक! इस मास विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में भी सभी को शुभकामनाएं!

बोध-वाक्य

समानो मंत्रः समितिः समानी
समानं व्रतं सहचित्तमेषाम् ।
समानेन वो हविषा जुहोमि
समानं चेतो अभिसंविशध्वम् ।।

(अथर्ववेद ६.६४.२)

हे बंधुओं! हमारे विचार समान हों।
हमारी सभा सबके लिए समान हो।
हम सबका संकल्प एक समान हो।
हम सबका चित्त एक समान भाव से भरा हो।
एक विचार होकर अपने कार्य में एक मन से लगे।
इसीलिए हम सबको समान मौलिक शक्ति मिली है।

केशवसृष्टि समाचार

जून २०१९ मासिक
वर्ष २० | मूल्य रु. १०/-
अंक ६ | वार्षिक रु. १००/-

संपादक मंडल :
सुदर्शन शर्मा
(मुख्य संपादक)
व्यासकुमार रावल
विजय इंगळे

कार्यालय :
केशवसृष्टि, उत्तन,
भायन्दर, जि. ठाणे

दूरभाष :
२८४५०२४७, २८४५२८५५

मुद्रक एवं प्रकाशक
सुरेश भगेरिया
केशवसृष्टि के लिए

युनिटी आर्ट ऑफसेट :
३०२, वडाला उद्योग भवन,
वडाला, मुंबई - ४०० ०३१.
से मुद्रित और केशवसृष्टि,
उत्तन, भायन्दर, जि. ठाणे
से प्रकाशित हुई है।

CMYK

केशव सृष्टि– ग्राम विकास योजना
मासिक अहवाल – मई, २०१९

गांव पर्यटन - १, २ मई, २०१९

मुंबई युवा श्री प्रकाश पाटील ने विलेज टूरिज्म विषय को लेकर ग्राम विकास योजना में काम की शरुआत की है। ३ दिन सारे विभागों में घूम कर आलमान, कांबारे, तिलसा, सासने, माडाचा पाडा और डेंगाची मेंट गांवों का सर्वे किया गया। इस परीक्षण पर आधारित योजना बनाकर सारे विस्तारकों के साथ मिलकर श्री प्रकश पाटील टूरिज्म के काम को आगे बढाएंगे।

टूरीज्म के लिए गांवों का परीक्षण

सांगली से सुप्रिया पाटील तथा ६ अन्य महिलाओं की ग्राम विकास योजना भेट – ०२, ०३ मई, २०१९

ग्राम विकास योजना की पूर्व कार्यालय प्रमुख सांगली की ६ अन्य महिलाओं के साथ वाडा आई। दिनांक ०२ मई दोपहर १ बजे कार्यालय में श्री अरविंद मार्डीकर जी ने थैली, बांबू का ट्रे और सॅनिटरी पॅड का पॅकेट दे कर उन सभी का स्वागत किया। श्री महेश चितले ने उनको ग्राम विकास योजना

के कार्य की विस्तृत जानकारी प्रेजटेशन द्वारा दी। तद्पश्चात उन्होंने खुपरी के सॅनिटरी पॅड कारखाने को तथा थैली उद्योग के कारखाने को भेट दी। शाम को डोंगरीपाडा का दौरा करके उन्होने केडिया फॉर्म में विश्राम किया।

दूसरे दिन टेटवाली के बांबू क्राफ्ट सेंटर तथा डेंगाची मेंट का दौरा हुआ। सभी जगहों पर उनका भव्य स्वागत हुआ। सभी महिलाओं ने इस दौरे का खूब आनंद लिया। श्रीमती प्रतिमा पाटील इस दौरे के बाद प्रतिक्रिया देते हुए कहती है "आदिवासी क्षेत्र में पहली बार आना हुआ। सॅनिटरी पॅड, थैली तथा बांबू क्राफ्ट उद्योग देखकर आनंद मिला। महिलाओं के लिए कुछ करने की इच्छा मुझे है जिसके लिए इस दौरे से प्रेरणा मिली। सभी गांवों में तथा कार्यालय में हुए स्वागत से मन भर आया। अब हमारा केशव सृष्टी के साथ हमेशा का रिश्ता बन गया है।

रोटरी क्लब मुंबई, घाटकोपर के माध्यम से बी ए आर सी के वैज्ञानिकों का ग्राम विकास कार्यकताओं को मार्गदर्शन तथा जानकारी – ०३ मई, २०१९

रोटरी क्लब ऑफ मुंबई, घाटकोपर की तरफ से बी ए आर सी के वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया। ग्राम विकास योजना के कार्यकर्ता, ग्राम विकास योजना के कर्मचारी, तथा श्री संतोष गायकवाड इस मार्गदर्शन और जानकारी सत्र में उपस्थित रहे।

श्रीमती पौलोमी मुखर्जी तथा डॉ. श्री सान्याल जी ने बी ए आर सी की विविध योजनाओं के बारे में जानकारी दी। बी ए आर सी के रिसर्च विभाग ने ग्रामीण क्षेत्र के लिए तकनीकी विकास किया है,जिसके अंतर्गत फूड प्रोसेसिंग तथा जैविक खाद बनाने की तकनीकी जानकारी दी गई।

इस सत्र का उद्देश्य यह था कि इस तकनीक का किसान अपने खेत में तथा उद्योग करके भी लाभ उठाए। ऐसे उद्योग के लिए पूरी तकनीकी सहायता बी ए आर सी की तरफ से दिया जाएगा। इस मौके पर रोटरी क्लब ऑफ मुंबई की तरफ से तुरंत ही यह घोषणा की गई कि इस तकनीक को खरीदने के लिए ५० % सहायता उनकी तरफ से दीया जाएगी। इस सत्र का आयोजन ग्राम विकास योजना के कार्यालय में हुआ जो सभी किसानों के लिए लाभदायी हो सकता है। इस के ऊपर और अभ्यास कर आगे की योजना बनाई जाएगी। इस कार्यक्रम के बाद रोटरी क्लब की ओर से ४२ इंच का दूरदर्शन संच ग्राम विकास योजना को भेट दिया गया।

With Best Complients From :

Siddhartha Super Spining Mills Ltd.

Head Office :

A - 104, Gokul Arcade, Sahar Road, Vile Parle (E), Mumbai - 4000 057.
Ph : 022 - 66937161 / 62 Fax : 66936851
E-Mail : nagani@vsnl.com, Shreenagani@gmail.com

Regd. Office Cum Works:

Village : NIHLA KHERA - NALAGARH - 174 101, DIST. : SOLAN (H.P.)
Phone : 223012, 223014 • Fax : 01795-220 441 • Gram : Superspin
Email : siddharthasuper@gmail.com, sssmltd@sancharnet.in

थैली प्रकल्प की महिलाओं के लिए श्रमपरिहार का आयोजन – १० मई, २०१९

केशव सृष्टि प्रेरित 'सी एस आर सेतू ऍडव्हाइजर्स एल एल पी' संचालित, थैली प्रकल्प ने कोटक महिंद्र लाईफ इन्श्युरन्स कॉर्पोरेशन कंपनी का ३५००० प्रिंटेड थैलियों का प्रोजेक्ट सिर्फ २२ दिनों में मार्च महीने में पूरा किया। ३० गांवों से १४२ महिलाओं ने अथक परिश्रम करते हुए इस काम को अंजाम दिया। ग्राम विकास योजना तथा कोटक महिंद्र के सभी लोगों

ने इस काम की 'नामुमकिन को मुमकिन बनाना' इन शब्दों में सराहना की। इस के उपलक्ष्य में इन महिलाओं का मनोबल बढाने के लिए स्नेहभोजन समारोह का आयोजन किया गया। १०० से अधिक महिलाएँ, तथा कोटक महिंद्र कंपनी के श्री राहुल अदानिया और श्री अरिजित घोष इस समारोह में उपस्थित रहे।

मोखाडा के 'तुल्याचा पाडा' की भेट – १६ मई, २०१९

प्रगटी प्रतिष्ठान, और ग्राम ऊर्जा के साथ ग्राम विकास योजना ने मोखाडा तहसील के 'तुल्याचा पाडा' को भेट दी। ग्राम ऊर्जा ने प्रगति प्रतिष्ठान के माध्यम से वहाँ १० सोलार पंप बिठाए है। १० बचत गटों के १०८ किसानों ने इन पंपों की मदद से तालाब का पानी खींच कर ४७ एकर में मूंगफली की खेती की है। इस योजना से पानी मिलने के कारण यह संभव हुआ है। इस भेट में ग्राम विकास योजना से श्री निमेंश विशे, श्री विकास बंका, साथ में ग्राम ऊर्जा के श्री अंशुमान लाथ तथा किरन औटी शामिल हुए। इतने बडे पैमाने पर मूंगफली की खेती देख कर सभी प्रभावित हुए।

लखपती किसान योजना – मार्गदर्शन – दिनांक २०मई २०१९

लखपती किसान योजना के श्री सतीशजी एखंडे ने २० और २१ मई को कृषी टीम के लिए मार्गदर्शन शिबिर संपन्न किया। श्री सतीशजी को इस कार्य का २०१४ से अनुभव होने के कारण यह प्रशिक्षण सूक्ष्मस्तर पर लिया गया और काफी प्रभावशाली रहा। इस प्रशिक्षण में रब्बी हंगाम (Monsoon Season) की प्रमुख फसल के लिए पॅकेज ऑफ प्रॅक्टिस (पीओपी) बताई गई साथ ही बीज प्रक्रिया और अन्य आयामों का प्रशिक्षण भी दिया गया। नवीनतम तकनीक किस तरह इस्तैमाल की जा सकती है इस का भी मार्गदर्शन किया गया।

इस शिबिरमें ग्राम विकास योजना की टीम के श्री संदेश बोरसे, श्री निमेंश विशे तथा चुने हुए गांवों के प्रमुख किसानों को प्रशिक्षित किया गया, जिन्होने यह तकनीक सारे गांवों के किसानों तक पहुँचाई।इस रब्बी के हंगाम में इस प्रशिक्षण के अनुसार किसान खेती करेंगे।

लखपती किसान योजना किसानों का प्रशिक्षण करते हुए ग्राम विकास योजना की कृषी टीम

बोरिवली की महिलाओं की ग्राम विकास योजना को भेट – १८ मई, २०१९

बोरिवली के सखी समूह की श्रीमती स्मिता भागवत और उनकी ६ सहयोगी महिलाए ग्राम विकास देखने वाडा आई। खुपरी के सॅनिटरी पॅड कारखाने की भेट से शुरुवात हुई। उन्होने महिलाओं से पॅड संबंधित चर्चा की। दोपहर में श्री महेश चितले ने ग्राम विकास योजना का इतिहास पी पी टी के माध्यम से सबके सामने रखा। तद्पश्चात शाम को टेटवाली के बांबू हस्तकला केंद्र को भेट देकर प्रवास का समापन हुआ। इस समूह ने, सॅनिटरी पॅड उद्योग को शहरी मित्र बनकर सहायता देने का निश्चय किया है।

मासिक धर्म स्वच्छता दिवस – २८ मई, २०१९

इस अवसर पर सृजना संस्था की महिलाओं ने टेटवाली गांव जाकर वहाँ की महिलाओं को इस विषय की पूरी जानकारी दी। इस विषय के बारे में महिलाओं में जो गलतफहमियाँ होती है वेह दूर करने की कोशिश की गई।

६०% से अधिक महिलाओं को इस विषय की जानकारी थी लेकिन सिर्फ ३०% महिलाएँ ही पॅड का इस्तमाल करती है यह बात सामने आई। इस कार्यक्रम के माध्यम से सॅनिटरी पॅड का स्वास्थ्य-विज्ञान, इस्तैमाल तथा उसका निराकरण करने की जानकारी दी गई।

मौसम निरीक्षण यंत्र अधिष्ठापन – २८ मई, २०१९

एम सी एक्स कंपनी के सौजन्य से मौसम निरीक्षण यंत्र केडिया फार्म हाऊस पर लगाया गया।

प्रेरणा लॅबोरेटरीज के श्री नीरज ने इस यंत्र का अधिष्ठापन किया। इस यंत्र से मौसम की विस्तृत जानकारी मिलेगी। यह जानकारी मोबाईल द्वारा सभी किसानों को मिल सकती है।

इस विषय में उत्तन कृषी संशोधन संस्था से प्रशिक्षण दिया गया। हर दिन का तापमान, हवा का दबाव, तथा मौसम की अन्य जानकारी इस यंत्र के द्वारा मिलेगी। ग्राम विकास योजना के कार्यालय मे इस जानकारी को रिकॉर्ड किया जाएगा।

जलसंधारण योजना – मई २०१९

जलसंधारण योजना के अंतर्गत चल रहे कामों में स्वामी कॉलेज के कुए के विस्तार का काम पूरा हुआ। कुए का व्यास १० फूट से बढाकर १६ फूट किया गया।

इसी योजना के अंतर्गत बुधरपाडा-डाहे का भूमिगत बंधारे का काम भी पूरा हुआ।

अन्य ३ जगहों पर भी इसी योजना के अंतर्गत तेजी से काम चल रहे है। वाडा तहसील के सारे काम 'एस्सेल प्रोपॅक' के सौजन्य से किए जा रहे है।

एक दिन का किसान

वृक्षारोपण व बॉल बनाये

केशव सृष्टि में चल रही परियोजना एक दिन का किसान be a farmar के अंतर्गत २५ मई २०१८ को मोतीलाल ओसवाल ग्रूप मुम्बई की मैनेजर अमिता चौरसिया के नेतृत्व में ५५ सहभागी केशव सृष्टि पधारे तथा एक दिन का किसान बनने का आनंद उठाया।

केशव सृष्टि के नए कार्यक्रम इको इंटेलिजेंस के अंतर्गत कॉरपोरेट सोशियल रिस्पाँस्बिलिटी के अंतर्गत एक दिन के किसान कार्यक्रम के दौरान सहभागियों ने पर्यावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केशव सृष्टि में २५ मई सुबह पपीते के १०० वृक्षों का वृक्षारोपण किया जबकि अगली प्रक्रिया में तीन हजार की संख्या में seed boll बनाये! शिड बॉल वह प्रक्रिया है जिसे बिखेरने पर बरसात के मौसम में स्वयं पेड़ उग आते हैं! प्रतियोगियों ने दिन भर कड़ा परिश्रम किया तथा केशव सृष्टि के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद उठाया! इस कार्यक्रम के दौरान ५५ सहभागियों के लिए एक भूखंड पर भोजन बनाया गया तथा सबने सामूहिक भोजन किया! ग्रूप की अमिता चौरसिया ने बताया कि यह एक अदभुत कार्यक्रम रहा तथा केशव सृष्टि की मैनेजमेंट को धन्यवाद ज्ञापित किया।

Feed back from Motilal Oswal CSR manager,
Dear Ardip

A big thank you from the entire team of Motilal Oswal Foundation.
We had an amazing day of volunteering at Keshav Srushti. It was a truly good learning experience for all of us.
As always all the arrangements and activities were well planned and executed.
The lunch at the mango orchard was the cherry on the cake, thank you for going the extra mile to make the rememberable for us.
Kudos to all the team members of Keshav Srushti !!
Best Regards,
Amita Chaurasia - *Manager & Corporate Social Responsibility*
Motilal Oswal Financial Services Limited

boolani
A TRUSTED NAME IN INDIA

For supply of
Full range of Plastic Processing Machinery

- Single layer & two layer blown films, flat films
- HDPE/PVC pipes, profiles, tubes, sleeves & drinking straws
- Monolfilaments, multifilaments, Raffia tapes
- PVC wires and cable coating
- Lab lines for Research & Development
- Twin screw extrusion lines for compounding
- Recycling plants, Granulators, Shredders
- Small injection & blow moulding machines
- Cooking food extruders for production of snacks

For full information contact -
Boolani Engineering Corporation
303, Prabhadevi Industrial Estate,
402, Veer Savarkar Marg,
Mumbai 400 025.
T: 022-24302790 / 24302826
F: 022-24229875
E: sales@boolani.com
W: www.boolani.com

मा नरेंद्र मोदीजी द्वारा रोपित नारियल का पेड़

व्यासकुमार रावल

नारियल एक बहुवर्षी एवं एकबीजपत्री पौधा है। इसका तना लम्बा तथा शाखा रहित होता है। मुख्य तने के ऊपरी सिरे पर लम्बी पत्तियों का मुकुट होता है। वृक्ष समुद्र के किनारे या नमकीन जगह पर पाये जाते हैं। इसका फल हिन्दुओं के धार्मिक अनुष्ठानों में प्रयुक्त होता है। बांग्ला में इसे नारिकेल कहते हैं। नारियल के वृक्ष भारत में प्रमुख रूप से केरल,पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में खूब उगते हैं। महाराष्ट्र में मुंबई तथा तटीय क्षेत्रों व गोवा में भी इसकी उपज होती है। नारियल एक बेहद उपयोगी फल है। नारियल देर से पचने वाला, मूत्राशय

शोधक, ग्राही, पुष्टिकारक, बलवर्धक, रक्तविकार नाशक, दाहशामक तथा वात-पित्त नाशक है। नारियल के पत्तो का उपयोग हम छाते के लिए कर सकते हैं ?

केशव सृष्टि स्थित रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में नारियल के पेड़ पर लहलहाते नारियल आज भी गुजरात के उस तत्कालीन मुख्यमंत्री की याद दिलाते है जो आज भारत के लोकप्रिय प्रधान मंत्री है और लोकप्रियता के क्षेत्र में समूचे विश्व पटल पर उनका नाम है। मा नरेंद्र दामोदरदास मोदी।

वर्ष २००३ में जब केंद्र में मा अटलजी की सरकार थी तब आज के प्रधान मंत्री मा नरेन्द्रभाई गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन दिनों जून माह में केशव सृष्टि में भारतीय जनता पार्टी की चिंतन बैठक का आयोजन हुआ था। उस चिंतन बैठक में मा लालकृष्ण आडवाणी, वेंकैया नायडू, जस्वन्तसिंघजी, मदनदास जी, अनंत कुमारजी, विजयकुमार मल्होत्राजी, सुशील मोदीजी, मनोहर परिंकरजी, सुषमा स्वराज्जी, अरुण जेटलीजी, मुरलीमनोहर जोशीजी, राजनाथसिंघजी, अर्जुन मुंडाजी, बाबूलाल मरांडी, शाहनवाज हुसेनजी सहित भाजपा के कई केंद्रीय मंत्री विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों सहित डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे,रविन्द्र साठे सहित अनेक गणमान्यवरों ने उस चिंतन बैठक में भाग लिया था, उनमें गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदीजी भी थे।

१९ जून २००३ के पावन दिवस पर रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री मा नरेंद्र मोदीजी के कर कमलों द्वारा एक नारियल के पेड़ का वृक्षारोपण किया गया था!जैसे जैसे राजनीति में नरेन्द्रभाई मोदी का कद बढ़ता गया वैसे वैसे उनके द्वारा रोपित नारियल के पेड़ का कद भी बढ़ता गया। आज श्री नरेन्द्र मोदी भारत के दूसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ प्रधान मंत्री बने है, और उनके द्वारा रोपित नारियल का पेड़ भी मीठे फल देने लगा है! एक बात और साफ साफ देखने को मिलती है कि जिस तरह मोदीजी में अभिमान नही है उसी प्रकार उनके द्वारा रोपित नारियल का वृक्ष भी झुक कर खड़ा है और लबालब फल दे रहा है! रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी में खड़ा यह नारियल का पेड़ सदैव हमारे लोकप्रिय सबका साथ प्रधानमंत्री मोदीजी की केशव सृष्टि की स्मृतियों को ताजा करवाता है।

केशवसृष्टी कृषी तंत्र निकेतन उत्तन भायंदर (प)

कॉलेज बद्दल आपले प्रेम व्यक्त करणारी कविता ....

तृतीय वर्षाचा अशोक भगत या विद्यार्थ्याने सादर केली

एफ -१, एफ -२, एफ -३, एफ -४,
आणि जीतावणी प्लॉट ची
एल -१, एल -२, एल -३,
आणि त्यामध्ये लावलेल्या केळी पपईची ,
खरंच सांगतो सर , आठवण येईल ....
लोटगाडीची आणि त्यावरून वाहिलेल्या स्लरी ची ::

कधी वरंब्या वरची, तर कधी सरी वरची,
कधी आळ्या मधली, तर कधी गादी वाफ्यावरची,
काढली आणि नोंदही ठेवली तणांची,
कधी चाळली जर फाईल तणांची, आठवण येईल ....

कधी टोमॅटो, कधी वांगी,
गवार, वाल, चवळी, आणि चिकार भेंडी,
कधी कारली, शिराळी, घोसाळी, दुधी,
ही बीजे रोपट्यात शिकविले तुम्ही,
पडवळ काकडीची काढणी करताना असो,
की पालेभाज्या कापताना, जातीने लक्ष दिले तुम्ही,
चुकून जर कोणी चुकले तर त्याला पीठ लावलच तुम्ही,
पण 'किती छान ' या दोन शब्दातच,
तुमची गोडी आठवायची .....

कधी कोय, कधी गुटी, शेंडे कापुन डोळे भरले,
झेंडू, जरबेरा, जास्वंद, गुलाब,

With Best Compliments From

ISO 9001: 2000

SWEET INDUSTRIES

FLEXIBLE PACKAGING PEOPLE

Corporate Office:
501-504, Parmeshwari Centre, 18 Dalmia Estate off L.B.S. Marg,
Near Tel. Exchange Mulund (West), Mumbai-400080. India
Phone:+9122-61517100. Fax:+9122-61517122
Email: info@sweetind. com | Website: www.sweetind.com

या फुलांची आरास लावूनी,
जीवन आमचे रंगविले,
सिकेटर असो किंवा कलम चाकू,
फांद्या झाडाच्या तोडल्या परंतु,
प्लॅस्टिकच्या कुशीत ठेवून तुम्हीच माया दिली,
कोकोपीट आणि स्पॅग्नम मॉस च्या ओलाव्याची ....

भावनांचा Survey केला आणि दुःखाचं Erosion ,
सर्वसमान तुम्ही म्हणून तर,
ओबड -धोबड जागेलाही सोडल नाही,
त्याच तुम्ही केलं Countour Cultivation ,
आमच्या मनाच्या उर्मटपणाला तुम्हीच Bund घातले,
आमच्या चांगल्या गुणांना Irrigation करून,
वाईट गुणांवर Mulching केली,
आठवण येईल मातीच्या प्रकारांची आणि पाणी देण्याच्या पद्धतीची

भाताचे, गहूचे, मका, सूर्यफूल,
भुईमूग, हरभरा, मटकी, आणि मुगाची ,
ओळख करून दिली तुम्ही बीजोत्पदनाची,
आंबा , चिकू , नारळ , फणस , द्राक्ष , संत्री आणि केळीची,
माहिती दिली तुम्ही फळे भाजीपाल्याची,
Output Input तर शिकवलेच तुम्ही,
शिकवले Software , Hardware , E -Mail , Internet,
Statistics सुद्धा घेताना तुम्ही अभ्यासला Computer चा part,
आठवण येईल madam तुमची शिकवताना मध्येच गोड हसण्याची.:.

Physics , Biology , & Chemistry,
तुम्हीच सांगू शकता फक्त
तयारी तुमची कला गुण सादरी करणाची,
याऊनही पलीकडे काळजी त्या जुल ची,
आठवण येईल मॅडम तुमच्या त्या टिम्ब टिम्ब आणि टिम्बची .....

ओळख हि सेंद्रिय शेतीची आणि ,
चव चाखवली शेतमाल प्रक्रियेची ,
उत्तम गुण निवडुनी शिकवले कार्य विस्ताराची,
तरी आईच्या पलीकडे लाड तुमचे अळूलाच,
पाणी कमी मात्र जवळ केले स्लरीला,
आठवण येईल तुमच्या भाषेची .....

पांगत सरांची ख्याती फक्त Microbiology,
पुरती मुळीच नव्हती ,
त्यांची ख्याती होती ती आनंदाची,
आनंद वाटून उधळण्याची,
पण आठवण येईल या Hostel ला मिळालेल्या पालकाची ....

Bank Form, शिष्यवृत्ती form त्याचबरोबर
Admission Form आणि Repeater चे Form
keyboard -mouse चालूच असतो
कधी computer ला नाही आराम
तुमची ही आठवण येईल
कधी Entry केली PassBook ची .....

तमालपत्र , दालचिनी नोंदी ठेवता चोख लावुनी,
हातात सदैव बिल बुक, मापात पाप नाही ..
आधी हळद आणि आंबे हळद भरतानी,
मॅडम तुमची ही आठवण येईल
भराव प्लॉटवर उभ्या असताना, डोक्यावर ओढणी धरतानी .....

देवा काका , रामू काका , विनोद दादा , संतोष दादा ,
मगन दादा आणि आमचे ते बाबा ...
कोणतेही काम असो हातात विळा आणि कामाला उभा ..
तसेच मंजुळा मावशी , शेवंती मावशी , रमीला ताई ,
संगिता ताई ,
रंजना ताई आणि ती आमची आई
झटक्यात भाजीपाल्याची गोडाऊन भरून राही..
तुमची ही आठवण येईल कधी काळी आल्यावर . .
प्लॉटवर फिरतानी .....

कैंसर व अन्य रोगों के इलाज में गिलोय के चमत्कार

गिलोय का वैज्ञानिक नाम है--**तिनोस्पोरा कार्डीफोलिया** । इसे अंग्रेजी में गुलंच कहते हैं। कन्नड़ में अमरदवल्ली, गुजराती में गालो, मराठी में गुलबेल, तेलगू में गोधुची, तिप्पिगा, फारसी में गिलाई, तमिल में शिन्दिल्कोदी आदि नामों से जाना जाता है। गिलोय में ग्लुकोसाइन, गिलो इन, गिलोइनिन, गिलोस्तेराल तथा बर्बेरिन नामक अल्केलाइड पाये जाते हैं। अगर आपके घर के आस-पास नीम का पेड़ हो तो आप वहां गिलोय बो सकते हैं। नीम पर चढी हुई गिलोय उसी का गुण अवशोषित कर लेती है, इस कारण आयुर्वेद में वही गिलोय श्रेष्ठ मानी गई है जिसकी बेल नीम पर चढी हुई हो. गिलोय हमारे यहां लगभग सभी जगह पायी जाती है। गिलोय को अमृता भी कहा जाता है. यह स्वयं भी नहीं मरती है और उसे भी मरने से बचाती है, जो इसका प्रयोग करे. कहा जाता है कि देव दानवों के युद्ध में अमृत कलश की बूँदें जहाँ जहाँ पडी, वहां वहां गिलोय उग गई. यह मैदानों, सड़कों के किनारे, जंगल, पार्क, बाग-बगीचों, पेड़ों झाड़ियों और दीवारों पर लिपटी हुई दिख जाती है। इसकी बेल बड़ी तेजी से बढ़ती है। इसके पत्ते पान की तरह बड़े आकार के हरे रंग के होते हैं। गर्मी के मौसम में आने वाले इसके फूल छोटे गुच्छों में होते हैं और इसके फल मटर जैसे अण्डाकार, चिकने गुच्छों में लगते हैं जो बाद में पकने पर लाल रंग के हो जाते हैं। गिलोय के बीज सफेद रंग के होते हैं। जमीन या गमले में इसकी बेल का एक छोटा सा टुकड़ा लगाने पर भी यह उग जाती है और बड़ी तेज गति से स्वछन्द रूप से बढ़ती जाती है और जल्दी ही बहुत लम्बी हो जाती है।

गिलोय को अमृता, गडूची, मधुपर्जी आदि अनेक नामों से भी जाना जाता है। कुछ तीखे कड़वे स्वाद वाली गिलोय देशभर में पायी जाती है। आयुर्वेद में इसका महत्वपूर्ण स्थान है। आचार्य चरक ने गिलोय को वात दोष हरने वाली श्रेष्ठ औषधि माना है। वैसे इसका त्रिदोष हरने वाली, रक्तशोधक, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली, ज्वर नाशक, खांसी मिटाने वाली प्राकृतिक औषधि के रूप में खूब उपयोग किया जाता है। यह एक झाडीदार लता है। इसकी बेल की मोटाई एक अंगुली के बराबर होती है इसी को सुखाकर चूर्ण के रूप में दवा के तौर पर प्रयोग करते हैं। टाइफायड, मलेरिया, कालाज्वर, डेंगू, एलीफेंटाइसिस, विषम ज्वर, उल्टी, बेहोशी, कफ, पीलिया, धातु विकार, यकृत निष्क्रियता, तिल्ली बढ़ना, सिफलिस, एलर्जी सहित अन्य त्वचा विकार, झाइयां, झुर्रियां, कुष्ठ आदि में गिलोय का सेवन आश्चर्यजनक परिणाम देता है। यह शरीर में इंसुलिन उत्पादन क्षमता बढ़ाती है। रोगों से लड़ने, उन्हें मिटाने और रोगी में शक्ति के संचरण में यह अपनी विशिष्ट भूमिका निभाती है। सचमुच यह प्राकृतिक 'कुनैन' है। इसका नियमित प्रयोग सभी प्रकार के बुखार, फ्लू, पेट कृमि, रक्त विकार, निम्न रक्तचाप, हृदय दौर्बल्य, क्षय (टीबी), मूत्र रोग, एलर्जी, उदर रोग, मधुमेह, चर्म रोग आदि अनेक व्याधियों से बचाता है। गिलोय भूख भी बढ़ाती है। इसकी तासीर गर्म होती है। एक बार में गिलोय की लगभग २० ग्राम मात्रा ली जा सकती है। गिलोय की बेल को हलके नाखूनों से छीलकर देखिये नीचे आपको हरा, मांसल भाग दिखाई देगा। इसका काढा बनाकर पीजिये। यह शरीर के त्रिदोषों को नष्ट कर देगा। आज के प्रदूषणयुक्त वातावरण में जीने वाले हम लोग हमेशा त्रिदोषों से ग्रसित रहते हैं। हमारा शरीर कफ, वात और पित्त द्वारा संचालित होता है। पित्त का संतुलन गडबडाने पर पीलिया, पेट के रोग जैसी कई परेशानियां सामने आती हैं। कफ का संतुलन बिगडे तो सीने में जकड़न, बुखार आदि दिक्कते पेश आती हैं। वात अगर असंतुलित हो गई तो गैस, जोडों में दर्द, शरीर का टूटना, असमय बुढापा जैसी चीजें झेलनी पड़ती हैं। अगर आप वातज विकारों से ग्रसित हैं तो गिलोय का पाँच ग्राम चूर्ण घी के साथ लीजिए। पित्त की बीमारियों में गिलोय का चार ग्राम चूर्ण चीनी या गुड के साथ खा लें तथा अगर आप कफ से संचालित किसी बीमारी से परेशान हो गए हैं तो इसे छः ग्राम की मात्रा में शहद के साथ खाएं। गिलोय एक रसायन एवं शोधक के रूप में जानी जाती है जो बुढापे को कभी आपके नजदीक नहीं आने देती है। यह शरीर का कायाकल्प कर देने की क्षमता रखती है। किसी भी प्रकार के रोगाणुओं, जीवाणुओं आदि से पैदा होने वाली बीमारियों, खून के प्रदूषित होने, बहुत पुराने बुखार एवं यकृत की कमजोरी जैसी बीमारियों के लिए यह रामबाण की तरह काम करती है। मलेरिया बुखार से तो इसे जातीय दुश्मनी है। पुराने टायफाइड, क्षय रोग, कालाज्वर, पुराणी खांसी, मधुमेह कुष्ठ रोग तथा पीलिया में इसके प्रयोग से तुंरत लाभ पहुंचता है। बाँझ नर या नारी को गिलोय और अश्वगंधा को दूध में पकाकर खिलाने से वे बाँझपन से मुक्ति पा जाते हैं। इसे सोंठ के साथ खाने से आमवात-जनित बीमारियाँ ठीक हो जाती हैं ।गिलोय तथा ब्राह्मी का मिश्रण सेवन करने से दिल की धड़कन को काबू में लाया जा सकता है। इसमें प्रचुर मात्रा में ऐन्टी आक्सीडेन्ट होते हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर सर्दी, जुकाम, बुखार से लेकर कैंसर तक में लाभकारी है। स्वस्थवृत्त सूत्र - मित-भुक्, हित-भुक्, ऋत-भुक् सूत्र का पालन करें, स्वास्थ्य के लिए हितकारी भोजन का सेवन करें, मौसम के अनुसार खायें, भूख से कम भोजन करें। यह सभी तरह के व्यक्ति बड़े आराम से ले सकते हैं। ये हर तरह के दोष का नाश करती है।

'साद माणुसकीची' – समग्र ग्रामविकासाची

आज शासकीय योजना, आराखडे, धोरणे या माध्यमातून गावांपर्यंत विकासाची गंगा कशी, किती आणि कधी पोहोचली आहे, हे आपण पाहत आहोतच, त्यामुळे लोकसहभाग आणि जनतेचा पुढाकार याशिवाय ग्रामविकासाचे स्वप्न साकार होणार नाही. या स्वप्नपूर्तीसाठी साद माणुसकीची फाउंडेशनने दिलेल्या हाकेला सकारात्मक आणि सक्रिय प्रतिसाद दिल्यास ग्रामविकासाची सोनेरी पहाट दूर नाही.

भारत हा खेड्यांचा देश आहे. आपल्या देशाच्या सकल राष्ट्रीय उत्पन्नापैकी ५० टक्के उत्पन्न हे आजही खेड्यांमधून येते. महात्मा गांधींनी 'खेड्यांकडे चला' असे आवाहन केले खरे; मात्र गेल्या काही वर्षांमध्ये शहरीकरण झपाट्याने झाले आणि खेड्यांचा विकास आक्रसत गेला. शहरांमध्ये उपलब्ध असणाऱ्या रोजगाराच्या संधी, शिक्षण, उच्च शिक्षणाच्या सोयी–सुविधा, पाश्चात्त्य विचारांची भुरळ, आधुनिकता, झगमगाट या सर्वांच्या मोहामुळं खेड्यातून शहरांकडे होणारे विस्थापन वाढले आणि खेडी ओस पडू लागली. शासनाने ग्रामविकासाच्या अनेक योजना राबवल्या; पण त्यातून खेड्यांचा कायापालट झाला नाही. दुसरीकडे खेड्यांतून शहरांत गेलेला गावकरीही तिथल्या जगण्याच्या संघर्षात रमला आणि गावच्या मातीशी त्याची नाळ तुटू लागली. या सर्वांमुळे खेड्यांची स्थिती बिकट होत गेली.

खरे म्हणजे देशाचा सर्वांगीण विकास व्हायचा असेल तर ग्रामविकास अपरिहार्य आहे. केवळ विकासासाठीच नव्हे तर संस्कृती जपण्यासाठीही खेडी आवश्यक आहेत. आज मानवतेची मूल्ये गावगाड्यामध्येच अधिक प्रमाणात रुजलेली आहेत. ती वर्षानुवर्षांपासून कायम आहेत. जागतिकीकरणानंतरही गावगाडा तसाच सुरू आहे. मात्र विकास त्याच्या वेशीपल्याडच राहिला आहे. खेड्यांचा विकास करायचा असेल तर या गावागाड्यात राहणारा माणूस समजून घेणं आवश्यक आहे. त्यासाठी तिथं सोयी–सुविधा उपलब्ध होणं आवश्यक आहे. 'ग्रामविकास' हे एका रात्रीत साकार होणारं स्वप्न नाही, त्यासाठी अविरत आणि भगीरथ प्रयत्नांची गरज आहे. ते एकटा गावकरी, सरकार किंवा एखाद–दुसऱ्या सामाजिक संस्थेचंही काम नाही. सामाजिक संस्था, स्वयंसेवी संस्था आपापला अजेंडा घेऊन ग्रामविकासाचे प्रकल्प राबवतात; मात्र अंतिमतः संपूर्ण ग्रामविकास ग्रामस्थांच्या सहभागाशिवाय साधला जाऊ शकत नाही. 'ग्रामविकास' हा इतर भौतिक सोयी–सुविधांबरोबरच वैचारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक विकासाला महत्त्व देऊन गावकऱ्यांशी स्नेहबंध प्रस्थापित करून, बालक–युवक–महिला–ज्येष्ठ नागरिक–ग्रामस्थ यांच्या सक्षमीकरणाला प्रोत्साहन देऊन गावाच्या विकासाचा विचार मोठ्या पडद्यावर आणता येणे शक्य होऊ शकते. हा समग्र ग्रामविकासाचा विचार कृतीत उतरवण्यासाठी 'साद माणुसकीची फाऊंडेशन' ही संस्था कार्यरत आहे.

या संस्थेची स्थापना २०१६ मध्ये राज्यातील वैद्यकीय आणि अभियांत्रिकी प्रवेश सराव परीक्षेसाठी सर्वाधिक पसंतीच्या 'डीपर' या संस्थेचे संस्थापक व जागरुक पालकत्वाला वाहिलेल्या 'तुम्ही–आम्ही पालक' मासिकाचे संस्थापक–संपादक श्री. हरीश बुटले आणि त्यांच्या सुविद्य पत्नी डॉ. रोहिणी बुटले यांनी केली आहे. त्यासाठी कंपनी कायद्याअंतर्गत सेक्शन ८ कंपनीची स्थापना केलेली आहे. मेळघाटामध्ये स्वतःच्या गरजा अत्यंत कमी ठेवून आदिवासींच्या आरोग्यसेवेसाठी स्वतःचे आयुष्य खर्ची घालणारे महापालक डॉ. रवींद्र कोल्हे या फाउंडेशनच्या संचालक मंडळावर आहेत; तर ज्येष्ठ विचारवंत आणि बांधकाम व्यावसायिक श्री. ईश्वरलाल परमार हे प्रमुख मार्गदर्शकाची भूमिका पार पाडत आहेत.

अनिवासी गावकरी, ग्रामस्थ आणि विविध क्षेत्रांत वेगवेगळ्या समस्यांवर कार्यरत असणाऱ्या सामाजिक संस्था आणि शासन यांच्या सहभागातून समग्र आणि संपन्न ग्रामविकासाचे मॉडेल राबवण्याचा या संस्थेचा प्रयत्न आहे. या संस्थेची साद आहे ती प्रामुख्याने गावातून शहराकडे गेलेल्यांना. आज परदेशात स्थायिक झालेले भारतीय वंशाचे नागरिक देशाच्या विकासासाठी हातभार लावत आहेत. मग गावखेड्यांमधून बाहेर पडून समृद्ध झालेल्यांनी आपल्या मूळ गावाच्या विकासासाठी सहयोग द्यायला नको का? खरे तर ते त्यांचे नैतिक कर्तव्य आहे. या कर्तव्याची जाणीव करून देऊन त्यांना सोबत घेऊन, मार्गदर्शन करून 'साद माणुसकीची फाऊंडेशन' काम करत आहे.

'चॅरिटी बिगिन्स ॲट होम' असे म्हणतात. मात्र बरेचदा समाजकार्यासाठी स्वतःच्या खिशात हात घातला जात नाही. मात्र बुटले यांनी सुरवातीला आपल्या स्वतःच्या संपत्तीतील महत्त्वपूर्ण हिस्सा ग्रामविकासाच्या पायाभरणीसाठी उभा केला. यासाठी त्यांनी चंद्रपूर जिल्ह्यातील त्यांचे मूळ गाव कोठारी आणि त्या आजूबाजूची नऊ गावे ग्रामविकासाच्या संकल्पनेसाठी निवडली. गावाखेड्यांमध्ये शिक्षणव्यवस्था कशी असते, हे आपल्याला चांगले ठाऊक आहे. गावातील मुले शाळेत न जाण्याची अनेक कारणे असतात. यापैकी एक कारण म्हणजे शाळांमधील प्राथमिक सुविधांचा अभाव. या प्राथमिक सुविधा मुलांना मिळाल्या तर गावातील शाळागळतीचे प्रमाण कमी करण्यास मदत होईल. त्यामुळे साद माणुसकीची फाऊंडेशनने 'विद्यालंकार ज्ञानपीठ ट्रस्ट'च्या माध्यमातून शिक्षण व्यवस्थेला बळकटी देण्यासाठी तब्बल २० लाख रुपये खर्च करण्याचे ठरवले. या पैशातून या विभागातील शाळांच्या प्राथमिक गरजा पूर्ण करण्याचा विडा उचलला. कोठारी केंद्रातील सुविधा लोकार्पण वर्षपूर्तीनिमित्त फाउंडेशनच्या वतीने तेथे विविध शैक्षणिक, सामाजिक, आरोग्य, कौशल्य विकास, शेतीविषयक कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात आले होते. त्याला तेथील नागरिकांचा भरभरून प्रतिसाद मिळाला आणि शेतकरी व तरुण एक वेगळी दिशा मिळाली. ग्रामविकासाचे मॉडेल ही संस्था महाराष्ट्राच्या विविध भागात उभे करण्यासाठी इच्छुक आहे.

शिक्षण, आरोग्य, शेती, कौशल्यविकास आणि वृद्धसेवा ही या ग्रामविकासाची पंचसूत्री आहे. लोकसहभागातून ग्रामविकासासाठी पायाभूत सुविधा उपलब्ध करून देणे, लोकसहभागासोबत अनिवासी ग्रामवासी, ग्रामस्थ, उद्योजक व सरकार यांच्या संयुक्त प्रयत्नांतून ग्रामविकासासाठी दिशादर्शन करणे, ग्रामविकासाला समर्पित सेवाभावी कार्यकर्त्यांची फळी उभारून त्यांचे प्रशिक्षण व क्रियान्वयन करणे, दानशूर व्यक्ती, संस्था, उद्योग आणि गरजू गावे व सामाजिक संस्था यांच्यामधील एक विश्वासार्ह सेतू म्हणून स्वतःला स्थापित करणे आणि समाजाचे प्रयत्न व त्याचा सकारात्मक परिणाम यांची योग्य माहिती सर्व हितधारकांपर्यंत पोहोचवण्यासाठी आधुनिक तंत्रज्ञानावर आधारित पारदर्शी माहिती व्यवस्थापन प्रणाली विकसित करणे अशी साद माणुसकीची फाउंडेशनची उद्दिष्टे आहेत.

साद माणुसकीची फाउंडेशनने विविध उपक्रम राबवण्यासाठी 'संपत्तीसहयोग ते संपत्तीदान' व 'जगा आणि जागा : समृद्धीतून सहयोग' हे कार्यक्रम हाती घेतले आहेत. गरजेपेक्षा जास्त चल अथवा अचल संपत्ती स्वमर्जीने गरजूंच्या उपयोगात आणणे, हा या प्रकल्पाचा मुख्य हेतू आहे. यासाठी दोन वर्षांपूर्वी बुटले दाम्पत्याने स्वतःच्या मालकीची पुण्यातील सिंहगड रोड येथील सदनिका फाउंडेशनकडे नोंदवली. पुण्यात येणाऱ्या सामाजिक कार्यकर्त्यांच्या निवासासाठी या जागेचा निःशुल्क उपयोग केला जातो. आपल्या संततीबाबत त्यांची भूमिका फार स्पष्ट आहे. मुलं कमावती झाल्यावर त्यांना बुटले दांपत्यांकडे असलेल्या संपत्तीचा कोणताही वाटा मिळणार नसून, त्याच्यानंतर संपत्तीचा विनियोग गरजूंसाठी करण्याचे त्यांनी ठरवले आहे. त्यासाठी २०२५ मध्ये बुटले दाम्पत्याने त्यांच्या नेहमीच्या कामातून बाजूला होऊन पूर्णवेळ ज्या ठिकाणी आरोग्य व शिक्षणाच्या समस्या असतील तेथे जाऊन ग्रामविकासाच्या दृष्टीने कार्य करण्याचे निश्चित केले आहे. थोडक्यात, 'आधी केले आणि मग सांगितले' या उक्तीप्रमाणे या दाम्पत्याचे सहजीवन असल्याने त्यांच्या 'सर फाउंडेशन' या ट्रस्टतर्फे असामान्य पालकत्वासाठीचा 'महापालक सन्मान' दरवर्षी प्रदान करण्यात येतो.

या खेरीज साद माणुसकीची सामाजिकता अभियानाअंतर्गत सामाजिक संस्थांना आणि समाजकार्य करणाऱ्या व करू इच्छिणाऱ्यांना एकत्र घेऊन 'सेतूबंध' उभारण्याचे सुरू केले आहे. सामाजिक संस्थांच्या संसाधन विकासासाठी मदत करणे, त्यांना अनुभवी व निष्णात व्यक्तींकडून वैधानिक व कायदेशीर बाबींवर मार्गदर्शन करणे आदी कार्ये या अभियानाअंतर्गत पार पाडण्यात येणार आहेत. नुकतेच वर्धा येथे बापूकुटीमध्ये ७२ सामाजिक संस्था साद माणुसकीची फाउंडेशनच्या समग्र ग्रामविकासासाठी एकत्रित येऊन कार्य करण्यासाठी तयार झालेल्या आहेत. गांधीजींच्या १५० व्या जयंतीदिनी विदर्भातील १२० तालुक्यांपैकी किमान ८० तालुक्यामध्ये साद माणुसकीची संपर्क कार्यालये ते आपल्या कार्यालयात सुरु करत आहोत. सामाजिक क्षेत्रातील अशी दुर्मिळ आणि आजपर्यंत न घडलेली घटना येत्या २ ऑक्टोबरला घडून येत आहे. हेच या संकल्पनेचे मोठे यश आहे आणि सामाजिकतेचे गमक आहे. त्याचप्रमाणे समाजात माणुसकीचे अत्युच्य मापदंड निर्माण करणाऱ्यासाठी फाउंडेशनतर्फे 'माणुसकी सन्मान' लवकरच सुरू करण्यात येत आहे.

सारांशाने सांगायचे झाल्यास ग्रामीण विकासाच्या आजच्या वास्तवाची समीक्षा करून त्यानुसार या संस्थेने एक सर्वंकष आराखडा तयार केला आहे, त्याला लोकसहभागाची साथ आवश्यक आहे. आज शासकीय योजना, आराखडे, धोरणे या माध्यमातून गावांपर्यंत विकासाची गंगा कशी, किती आणि कधी पोहोचली आहे, हे आपण पाहत आहोतच, त्यामुळे लोकसहभाग आणि जनतेचा पुढाकार याशिवाय ग्रामविकासाचे स्वप्न साकार होणार नाही. या स्वप्नपूर्तीसाठी साद माणुसकीची फाउंडेशनने दिलेल्या हाकेला सकारात्मक आणि सक्रिय प्रतिसाद दिल्यास ग्रामविकासाची सोनेरी पहाट दूर नाही.

महापालक सन्मान २०१८ डॉ. राजेंद्रसिंहजी आणि सौ. मीनासिंहजी यांना प्रदान करताना ज्येष्ठ समाजसेवी अशोकराव कुकडे, डॉ. कुमार सप्तर्षी, डॉ. राजाभाऊ दांडेकर

श्री. प्रदीप लोखंडे, डॉ. अलकाताई मांडके आणि यजुर्वेंद्र महाजन

बापू कुटी वर्धा येथे सहयोगी स्वयंसेवी संस्थांना मार्गदर्शन करताना हरीश बुटले

रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी

मई २०१९ में प्रबोधिनी में हुए कार्यक्रम

दि. ३ मई २०१९: म्हालगी प्रबोधिनी के निर्माण में जिनका महत्वपूर्ण योगदान रहा तथा १६ वर्ष जिन्होंने प्रबोधिनी की कमान सक्षमता संभाली ऐसे स्व. प्रमोद महाजन जिनका दि. ३ मई, पुण्यस्मरण दिन है।

प्रबोधिनीके सर्वसाधारण समिती के सदस्य तथा भारतीय जनता पार्टी, महाराष्ट्र प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता श्री. माधव भांडारी ने इस स्मरण दिवस पर प्रमोदजीकी कुछ यादें तथा उनके गुणविशेषोंको प्रस्तुत किया। इस समय प्रबोधिनी के व्यवस्थापन समिति के सदस्य श्री. अरविंद रेगे उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी, भाईंदर शहर के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता और प्रबोधिनी के कर्मचारी तथा प्रबोधिनी में कार्यरत सभी अन्य सेवाओंके कर्मचारी इस स्मरण दिवस पर उपस्थित थे।

दि. २८ मई २०१९: ब्रिटिश राज में ५० वर्षों की दो आजीवन कारावास की सजा पानेवाले क्रांतिकारी स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की २८ मई को १३६वीं जयंती के अवसर पर रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी के ज्ञाननैपुण्य केंद्र, केशव सृष्टि में व्याख्यान का आयोजन किया गया था। इस व्याख्यान का विषय था सावरकर हयात असते तर... और यह व्याख्यान डॉ. महेश भागवत ने, उन्होंने सावरकरजीके विचार, उनकी जीवन पध्दति, कार्यशैली इन सभी विषयोंको उजागर किया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी, भाईंदर शहर के पदाधिकारी तथा

कार्यकर्ता और प्रबोधिनी के कर्मचारी तथा प्रबोधिनी में कार्यरत सभी अन्य सेवाओंके कर्मचारी इस जयंती दिवस पर उपस्थित थे।

Seed Ball making workshop at Inorbit mall Vashi.
19th workshop .. Keshav Srushti MyGreenSociety.

आत्मदीपो भव !

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी
Rambhau Mhalgi Prabodhini

प्रकल्प प्रस्ताव लेखन

प्रशिक्षण शिबिर

दि. २२-२३ जून २०१९

अभ्यासक्रमः

- प्रकल्प अहवाल लेखन का व कशासाठी
- प्रकल्प अहवाल लेखनासाठी संस्था पातळीवर करावयची पूर्वतयारी
- प्रकल्प विषयक अभ्यास व पूर्वतयारी
- प्रकल्प अहवाल लेखन
- प्रकल्प सनियंत्रण व दस्तावेजीकरण
- प्रकल्प व्यवस्थापन
- सी.एस.आर व इतर कर दात्यांच्या अपेक्षा
- प्रकल्प तपासण्याची पध्दत

शिबिर स्थानः
ज्ञान-नैपुण्य केंद्र, केशव सृष्टी, एस्सेल वर्ल्ड रोड,
उत्तन,भाईंदर (पश्चिम), जि. ठाणे - ४०११०६
दूरध्वनीः ०२२-२८४५०१०१/०२/०३

नोंदणीची अंतिम तारीख
शुक्रवार, दि. १४ जून २०१९

शुल्क : रु. ३०००/-
(निवास, भोजन, प्रशिक्षण सामग्रीसह)

नोंदणी संपर्कः

मुंबई कार्यालय :
दीपक ठाकरेः मो. ९८३३४११००५ ई-मेलः dipakt@rmponweb.org
दू.क्र.: ०२२-२४१३६९६६ / २४१८५५०२

पुणे कार्यालय :
राहुल टोकेकर : मो. ९८२२९७१०७९ ई-मेलः rahult@rmponweb.org
दू.क्र.: ०२०-२४४७३२७१

शिबिर स्थान :
दिलीप नवेले : मो. ९९६७४२९४५६ ई-मेलः dilipn@rmponweb.org
अनिल पांचाळ : मो. ९९७५४१५९२२ ई-मेलः anilp@rmponweb.org
दू.क्र.: ०२२-२८४५०१०१/०२/०३

rmponweb.org /rmponweb.org @rmponweb /rmponweb

#IAm NewIndia

समाजभान शिबिर

आत्मदीपो भव !

रामभाऊ म्हाळगी प्रबोधिनी

Rambhau Mhalgi Prabodhini

समाजभान शिबिर

दि. ९-१५ जून २०१९

२४ तास

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पार्टनर

अभ्यासक्रम:

सात सूत्रे :-	सात कौशल्ये :-
• राष्ट्रीय एकात्मता	• वक्तृत्व आणि गटचर्चा
• सामाजिक न्याय, ऐक्य आणि स्त्री-पुरुष समानता	• वाचन, अभ्यास आणि लेखन
• पर्यावरण	• Business Plan writing #MakeInIndia
• सर्वेक्षण शास्त्राची तोंडओळख व प्रत्यक्षानुभव	• इंटरनेट आणि सोशल मीडिया #DigitalIndia
• श्रमदान	• चित्रपट आस्वाद
• ग्रामभेट, प्रकल्पभेट	• परस्पर मैत्री
• Innovation आणि उद्योजकतेची तोंडओळख	• Resume writing

मार्गदर्शन : ज्येष्ठ, अनुभवी तज्ज्ञ, प्रशिक्षण साधनांच्या साहाय्याने, सहभागात्मक पध्दतीने मार्गदर्शन करतील.

अपेक्षित सहभाग : (वयोमर्यादा १८ ते २५ वर्ष)

सामाजिक क्षेत्रात अभिरुची असणारे व समाजशास्त्र आणि राज्यशास्त्राचे विद्यार्थी व तरुण कार्यकर्ते

कालावधी : रविवार, दि. ०९ जून, २०१९ रोजी सकाळी ०९.०० वाजल्यापासून
शनिवार, दि. १५ जून, २०१९ रोजी सायंकाळी ५.०० वाजेपर्यंत.

शुल्क : प्रति व्यक्ती रु. ९,०००+ १८% जी.एस.टी. (निवास,भोजन व प्रशिक्षण सामग्रीसह),

"प्रथम येणाऱ्यास प्राधान्य या तत्वानुसार पहिल्या ४० जणांना प्रवेश"

RRVM Class X/XII Board Exam Results 2019

Congratulations

Postal Registration No. THW/06/2017-2019 RNI No. 72232 / 99

यह पत्रिका मुद्रक एवं प्रकाशक सुरेश भगेरिया द्वारा केशवसृष्टि के लिए यूनिटी आर्ट ऑफसेट, ३०२, वडाला उद्योग भवन, वडाला, मुंबई - ४०० ०३१ से मुद्रित और केशवसृष्टि, उत्तन, भायंदर, जि. ठाणे से प्रकाशित हुई है. - संपादक : **सुदर्शन शर्मा**